'बुलाहट' आने और इस्तेमाल होने के लिए तैयारी का निमंत्रण है

हम में से कितने लोग ऐसे हवाई जहाज में सफर करना पसंद करेंगे जिसे ऐसा व्यक्ति उड़ा रहा हो जिसमें पायलट बनने की इच्छा और "बुलाहट" तो है परन्तु उसने उपयुक्त प्रषिक्षण प्राप्त करने का समर्पण कभी नहीं किया? उसी प्रकार हममें से कितने लोग ऑपरेषन टेबल पर लेटकर ऐसे डॉक्टर को ऑपरेषन करने देंगे जिसे केवल महसूस हुआ कि उसमें डॉक्टर बनने की "बुलाहट" है? इसका उत्तर हैः हममें से कोई भी नहीं! स्वाभाविक तौर से भी हम जीवन और मृत्यु के मामले ऐसे व्यक्ति के हाथों में कभी नहीं सौपेंगे जिसने उपयुक्त प्रषिक्षण प्राप्त करने की इच्छा तक जाहिर नहीं की।

आत्मिक क्षेत्र में भी ऐसा ही है। जब हम मसीह के पास आते हैं और अपना जीवन उसे समर्पित करते हैं, हम ऐसी बलषाली चाहतों की अपेक्षा कर सकते हैं जो मसीह की देह में हमारे सेवा क्षेत्र में हमारा मार्गदर्षन करेंगी। हमारी व्यक्तिगत "बुलाहट" एक निमंत्रण है कि हम अपनी सेवा के महानतम दिनों के लिए तैयार होने के लिए परमेष्वर की ओर से मिल रहे समय और अवसर का लाभ उठाएं। बुलाए हुए तो बहुत हैं परन्तु चुने हुए थोड़े हैं। शायद इसका कारण यह है कि बहुत थोड़े लोग ही परमेष्वर की आवष्यकता की घड़ी में तैयार होते हैं। एक स्थानीय कलीसिया की अधीनता में आएं और आज ही अपनी तैयारी आरम्भ करें।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने सचमुच मुझे बुलाया है। मुझे अपनी बुलाहट को आपकी और अपनी स्थानीय कलीसिया की अधीनता में समर्पित करने में सहायता करें, ताकि मैं सेवकाई के अपने सर्वोत्तम समय के लिए उचित रूप में और धीरज के साथ तैयार हो सकूँ।

आज के लिए वचन

मत्ती 20:16 इसी रीति से जो पिछले हैं, वह पहिले होंगे, और जो पहिले हैं, वे पिछले होंगे।।

2 पतरस 1:10 इस कारण हे भाइयों, अपने बुलाए जाने, और चुन लिये जाने को सिद्ध करने का भली भांति यत्न करते जाओ, क्योंकि यदि ऐसा करोगे, तो कभी भी ठोकर न खाओगे।

टूटे हृदय से टूटी आषा स्वीकार न करें

हम अपने जीवन में निराषा और हानि का सामना कर सकते हैं जो हमें दुख और हताषा के स्थान पर लाकर खड़ा कर देते हैं। हम इसे टूटा हृदय कहते हैं। जब हमारे चारों ओर उदासी का वातावरण होता है, तो हम अपना ध्यान उस बात पर लगाने का प्रयास करते हैं जिसके कारण पीड़ा आ रही है और मुख्य बात को भूल जाते हैं कि परमेष्वर हमसे प्रेम करता है और अभी भी वह सब बातों पर नियंत्रण किए हुए है। मरकुस 9 अध्याय में, टूटे हृदय वाला पिता यीषु के पास आता है। उसके पुत्र को कई वर्षों से दुष्टात्माएं तंग करती थीं। यीषु ने कहा, "विष्वास करने वाले के लिए सब कुछ हो सकता है"। पिता ने उत्तर दिया, "मैं विष्वास करता हूँ"। "परन्तु मेरे अविष्वास का उपाय करें!" इस व्यक्ति के पास केवल इतनी आषा ही बची थी कि वह यीषु से सहायता मांग सकता।

edit copy

यदि आप आज कोई बोझ उठाए चल रहे हैं तो टूटे हृदय से टूटी आषा स्वीकार न करें। परमेष्वर से आने वाले बेहतर दिनों का दर्षन मांगें। अब, उस बेहतर दिन की ओर चलें, यह भरोसा रखते हुए कि परमेष्वर आपकी यात्रा के लिए आपको बल और साहस देगा।

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रभु, मैं जानता हूँ कि आप मेरे आज के हालातों को देख रहे हैं। मैं प्रतीति करता हूँ कि आप मुझसे प्रेम करते हैं और मेरे जीवन के लिए आपके पास एक योजना है। आप पर अधिक भरोसा रखने और अपने दर्दनाक पलों के पार देखने में मेरी सहायता करें। मेरी आषा और शांति का स्त्रोत होने के लिए आपका धन्यवाद।

आज के लिए वचन
भजन 39:7 और अब हे प्रभु, मैं किस बात की बाट जोहूं? मेरी आशा तो तेरी ओर लगी है।

यिर्मयाह 29:11 क्योंकि यहोवा की यह वाणी है, कि जो कल्पनाएं मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूंगा।

यदि आप काम नहीं करना चाहते हैं तो काम करने की हामी न भरें

एक बार प्रभु यीषु ने एक पिता के बारे में दृष्टांत सुनाया जिसके दो बेटे थे। एक दिन पिता ने उन्हें अपने साथ काम करने के लिए बुलाया। एक ने कहा वह आएगा और दूसरे ने कहा कि वह नहीं आएगा। जिस ने मना कर दिया था, बाद में उसने अपना मन बदला और अपने पिता के साथ काम करने के लिए आ गया। जिसने हामी भारी थी वह नहीं आया। यीषु ने पूछा, "उन में से उत्तम बेटा कौन था?"

इस दृष्टांत के पिता के अनुसार, परमेष्वर भी चाहता है कि हम अच्छी संतान बनें, और वह केवल हमारी उपस्थिति नहीं बल्कि हमारा हृदय चाहता है। सहायता तब तक सहायता नहीं होती जब तक कुछ सकारात्मक न किया जाए। हमारा स्वर्गिक पिता अपनी संतानों की प्रतीक्षा कर रहा कि वे फसल की कटनी में उसके साथ काम करें, अपने जीवन उसके साथ बांटें और उस प्रतिफल को प्राप्त करें जो वह हमें देना चाहता है। यदि आप काम नहीं करना चाहते तो काम करने की हामी न भरें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मैं एक अच्छी संतान बनना चाहता हूँ। मैं आपको जानना चाहता हूँ और आपके साथ अच्छा संबंध स्थापित करना चाहता हूँ। जो बात आपके लिए महत्त्वपूर्ण है, वह मेरे लिए भी महत्त्वपूर्ण है। कृपया मुझे बताएं कि आज मैं आपको प्रसन्न पिता कैसे बना सकता हूँ।

आज के लिए वचन
भजन 40:8 हे मेरे परमेश्वर मैं तेरी इच्छा पूरी करने से प्रसन्न हूं; और तेरी व्यवस्था मेरे अन्तःकरण में बनी है।।

edit copy

यूहन्ना 14:23 यीशु ने उस को उत्तर दिया, यदि कोई मुझ से प्रेम रखे, तो वह मेरे वचन को मानेगा, और मेरा पिता उस से प्रेम रखेगा, और हम उसके पास आएंगे, और उसके साथ वास करेंगे।

यूहन्ना 17:3 और अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ अद्वैत सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तू ने भेजा है, जाने।

अपनी आत्मिक जमापूँजि खर्च करें

काम करने वाले कुछ लोग समझदार होते हैं और अवसरों का लाभ उठाकर अपनी रिटायरमैंट के लिए धन निवेष करते हैं। वे कठोर परिश्रम करते हैं और हर महीने कुछ न कुछ जरूर बचाते हैं, और वृद्धावस्था के लिए जमापूँजि एकत्रित करते हैं। स्वर्ग के राज्य में भी ऐसा ही होता है। जब हम वैसा जीवन जीते हैं जैसा परमेष्वर चाहता है, तो हम बुद्धि, अनुग्रह और विष्वसनीयता प्राप्त करते हैं। यह हमारी आत्मिक जमापूँजि है। बहुत बार हम यह आत्मिक पूँजि कमाते ज्यादा और खर्च कम करते हैं और बची हुई जमापूँजि को भविष्य के लिए सम्भाल कर रखते हैं।

आप अपनी आत्मिक जमापूँजि का उपयोग दूसरों को प्रभावित करने के लिए कर सकते हैं ताकि वे प्रभु की सेवा करें या आप पर कृपादृष्टि करें, जो परमेष्वर के राज्य के लाभ के लिए हो। परमेष्वर हमें हमारी आवष्यकता से कहीं अधिक आत्मिक पूँजि देता है। दूसरों के लाभ के लिए भी इसे थोड़ा खर्च करें। अपनी आत्मिक जमापूँजि को पृथ्वी पर खर्च करें। आपको स्वर्ग में इसकी आवष्यकता नहीं पड़ेगी।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मैं एक अच्छा निवेषक बनना चाहता हूँ! कृपया मुझे अपने पवित्र आत्मा के द्वारा दर्षाएं कि मैं आपकी ओर से मिलने वाले प्रत्येक अवसर का भरपूर लाभ कैसे उठाऊँ। यह जानने में मेरी सहायता करें कि दूसरों के जीवन में कब और कितना निवेष करना है। मेरे पास जो कुछ है वह सब आपका ही है।

आज के लिए वचन
यूहन्ना 9:4 जिस ने मुझे भेजा है; हमें उसके काम दिन ही दिन में करना अवश्य हैः वह रात आनेवाली है जिस में कोई काम नहीं कर सकता।

इफिसियों 5:16 और अवसर को बहुमोल समझो, क्योंकि दिन बुरे हैं।

यह मायने नहीं रखता कि सबसे ऊपर सबसे पहले कौन पहुंचता है

हमारे प्रतिस्पर्धा से भरे हुए समाज में, हम अक्सर सफलता को इस परिमाप से मापते हैं कि सबसे ऊपर सबसे पहले कौन पहुंचेगा। परिणामस्वरूप, बड़ी बड़ी कंपनियों में काम करने वाले लोगों ने महत्त्वकाक्षाओं की वेदी पर अपनी खराई को कुर्बान कर दिया है। वे इस महत्त्वपूर्ण सत्य को भूल गए हैं कि दौड़ से अधिक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि दौड़ कैसे दौड़ी जा रही

edit copy

है। यह बात महत्त्वपूर्ण नहीं है कि हम दौड़ कब समाप्त करते हैं बल्कि यह कि दौड़ पूरी करने के समय हम पूरे चरित्रवान हों। ऊपर पहुंचने वाले अधिकतर लोग अंत में गिर पड़ते हैं क्योंकि उनकी यात्रा लघु पथों और ऐसे अनैतिक निर्णयों से भरी होती है जो उन्हें उनके अनुमान से अधिक मंहगे पड़ते हैं।

आप कैसे हैं? क्या आपके घमण्ड और गलत महत्त्वकांक्षाओं ने ऊपर की ओर तेजी से जाने के लिए आपको धोखे का ईंधन उपयोग करने के लिए मजबूर किया है? अपनी व्यक्तिगत दौड़ का परीक्षण करें और अपने मार्ग को साहस, खराई, दृढ़ता और सहनषीलता के साथ सहज बनाएं। समझदारी से कदम उठाएं और ईष्वरीय निर्णय लें ताकि जब आप ऊपर पहुंचें तो आप वहां बने रहें।

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>
हे पिता, यह ध्यान देने में मेरी सहायता करें कि आज मैं अपनी दौड़ कैसे दौड़ रहा हूँ। मैं इस झूठ पर विष्वास नहीं करूंगा कि ऊपर पहुंचने का सबसे पहला अर्थ यह है कि मैं सर्वोत्तम हूँ। आपके वचन के अनुसार मेरे जीवन का मार्गदर्षन करने के लिए कृपया मेरी सहायता करें।

<u>आज के लिए वचन</u>
मत्ती 19:30 परन्तु बहुतेरे जो पहिले हैं, पिछले होंगे; और जो पिछले हैं, पहिले होंगे।।

मत्ती 6:33 इसलिये पहिले तुम उसके राज्य और धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएं तुम्हें मिल जाएंगी।

सच्ची वृद्धि आपके संसाधनों को खर्च करेगी

ज़िंदगी की एक बात सत्य है – आत्मिक, शारीरिक, मानसिक या दूसरों के साथ संबंधों में वृद्धि करने के उद्देष्य से हमें एक कीमत चुकाने के लिए तैयार रहना चाहिए। जिस प्रकार पौष्टिक आहार की कमी के कारण शरीर भूखों मर जाता है, उसी प्रकार हमारे जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही होता है। हम तब तक अपने जीवन में वृद्धि नहीं कर सकते या आगे नहीं बढ़ सकते जब तक हम यह न समझ लें कि कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी पड़ता है।

हमारी जीवन यात्रा में हमें जिन संसाधनों को बिल्कुल निस्वार्थ भाव से खर्च करना पड़ सकता है, उनमें से कुछ हमारा धन, हमारा समय या हमारा प्रेम हैं। इसमें हमारे घमण्ड का त्याग और किसी ऐसे व्यक्ति को क्षमा करना भी शामिल हो सकता है जिसने हमें दुःख पहुंचाया हो। सच्ची वृद्धि आपके संसाधनों को खर्च करेगी। जब परमेष्वर आपको इस्तेमाल करना आरम्भ करता है तो खर्च होने के लिए भी तैयार रहें।

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>
हे परमेष्वर, मेरी सहायता करें कि मैं अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए अपने संसाधनों को खर्च करने के लिए तैयार रहूँ। आपमें अगले स्तर तक ऊपर उठने के लिए मुझे बुद्धि, समझ और विषेषकर बलवंत इच्छा दें।

edit copy

<u>आज के लिए वचन</u>

फिलिप्पियों 3:12 यह मतलब नहीं, कि मैं पा चुका हूं, या सिद्ध हो चुका हूं: पर उस पदार्थ को पकड़ने के लिये दौड़ा चला जाता हूं, जिस के लिये मसीह यीशु ने मुझे पकड़ा था।

2 शमूएल 24:24 राजा ने अरौना से कहा, ऐसा नहीं, मै ये वस्तुएं तुझ से अवश्य दाम देकर लूंगा; मैं अपने परमेश्वर यहोवा को सेंतमेंत के होमबलि नहीं चढ़ाने का। सो दाऊद ने खलिहान और बैलों को चांदी के पचास शेकेल में मोल लिया।

हमारा जीवन एक ऐसी पटकथा होनी चाहिए जिसे केवल परमेष्वर ही लिख सकता है

जब हम अपना जीवन मसीह को सौंप देते हैं तो वह हमारे सब पापों को ढाँप देता है। पुरानी बातें बीत जाती हैं और सब बातें नईं हो जाती हैं। हमारी क्षमता हमारी कल्पना या समझ से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परमेष्वर के हाथों में हमारा जीवन अद्‌भुत बातों, प्रतिफलों और चुनौतियों के साथ साथ उपलब्धियों से भरा रहता है जो हमें वृद्धि करने का प्रत्येक अवसर देते हैं।

जो बात हमें हैरानीजनक लगती है, अक्सर वह परमेष्वर की ओर से एक योजना होती है। तथापि हमारा जीवन एक ऐसी पटकथा होनी चाहिए जिसे केवल परमेष्वर ही लिख सकता है और परमेष्वर असफलताओं का लेखक नहीं है। इसलिए अपना जीवन परमेष्वर के हाथों में सौंप दें और जब ऐसी बातें आपके सामने आ जाती हैं, जिनकी आपने अपेक्षा नहीं की है, जिनके आप हक़दार नहीं है और जिनकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते, तो निराष न हों। परमेष्वर पर भरोसा रखें और आपकी विजय के लिए वह जो भी पटकथा लिख रहा है उसके अनुसार अपना जीवन व्यतीत करते रहें। सब बातों पर उसका नियंत्रण है।

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>

हे पिता, मेरे जीवन में से सारी पुरानी बातों को निकाल फेंकने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। इससे मुझे एक नया दिन, एक नया अवसर, एक नईं आषा और एक नया भविष्य मिला है। बड़े प्रेम सहित मेरी इच्छा यही है कि मेरे वर्तमान और अनन्त जीवन के पन्ने आप स्वयं लिखें।

<u>आज के लिए वचन</u>

1 कुरिन्थियों 7:23 तुम दाम देकर मोल लिये गए हो, मनुष्यों के दास न बनो।

इब्रानी 5:9 और सिद्ध बनकर, अपने सब आज्ञा माननेवालों के लिये सदा काल के उद्धार का कारण हो गया।

मरकुस 11:22 यीशु ने उस को उत्तर दिया, कि परमेश्वर पर विश्वास रखो।

अपना सिर खेल में शामिल करें, अपना ह्रदय खेल में शामिल करें और अपने हाथ खेल में शामिल करें

edit copy

कोई भी खेल जीतने के लिए या जीवन का कोई बड़ा काम पूरा करने के लिए, अवष्य है कि हम इसमें अपना अविभाजित ध्यान लगाएं। अधूरे प्रयासों और विभाजित ध्यान का फल अधूरे परिणाम ही होते हैं। जैसा कि कहा जाता है, यदि काम करना है तो सही ढंग से करो। सही काम करने के लिए मन, हृदय और कार्य के विजयी मिश्रण की आवष्यकता होती है।

परमेष्वर की सृष्टि होने के नाते, हमें सर्वोत्तम परिणाम तब मिलते हैं जब हम अपने लक्ष्यों और बुलाहट को पूरा करने के लिए अपने त्रिएक स्वरूप (षरीर, प्राण, आत्मा) का भरपूर उपयोग करते हैं। अपना सिर, हृदय और हाथ खेल में शामिल रखने से हमें सफलता अवष्य मिलेगी। क्या आप अपनी वर्तमान बुलाहट और भविष्य के स्वप्नों को पूरा करने के लिए अपना "सर्वांग" दे रहे हैं?

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मेरी सहायता करें कि मैं आपकी सर्वांग सेवा करने के लिए अपना सर्वांग इस्तेमाल करूँ। यह जानने में मेरी सहायता करें कि मैं जिस भी काम में सफल होना चाहता हूँ उसमें मुझे मेरा सिर, मेरा हृदय और मेरे हाथ शामिल करने पड़ेंगे। हे प्रभु मुझे अपने मार्ग सिखा।

आज के लिए वचन
1 थिस्सलुनीकियों 5:23 शान्ति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे; और तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें।

व्यवस्थाविवरण 11:18 इसलिये तुम मेरे ये वचन अपने अपने मन और प्राण में धारण किए रहना, और चिन्हानी के लिये अपने हाथों पर बान्धना, और वे तुम्हारी आंखों के मध्य में टीके का काम दें।

2 शमूएल 6:14 और दाऊद सनी का एपोद कमर में कसे हुए यहोवा के सम्मुख तन मन से नाचता रहा।

ऐसे व्यक्ति पर कभी भी पूर्णतः भरोसा न करें जो अपने जीवन में कभी लड़खड़ाया न हो
किसी अगुवे का अनुसरण करते समय, परामर्ष लेते समय, या किसी प्रषिक्षक अथवा षिक्षक की अधीनता में आते समय, हमें उनके जीवन के अनुभवों में भी उतनी ही रूचि लेनी चाहिए जितनी रूचि हम उनकी शैक्षणिक योग्यताओं में लेते हैं। जीवन की कक्षा में सीखे गए पाठ एक व्यक्ति को निपुण और इस योग्य बनाते हैं कि उसका अनुसरण किया जाए।

मसीह के साथ हमारे जीवन में हम परमेष्वर का वचन बहुत बार सुनेंगे, परन्तु हमारे सामने संकट और क्लेष के समय भी आएंगे। ये समय हमारे द्वारा सीखे गए वचनों को क्रियात्मक रूप देंगे। परमेष्वर के वचन के प्रत्येक विद्यार्थी को व्यावहारिक अनुभव देने के लिए उसका विष्वास परखा जाएगा। जब हम सीखी गई बातों को अपने जीवन की प्रत्येक परिस्थिति में लागू करते हैं तो परीक्षा गवाही में परिवर्तित हो जाएगी। अधिकतर ऐसा होता है कि संघर्ष और उसके परिणामस्वरूप होने वाले युद्धों में लगने वाले घावों के निषान हममें विष्वसनीयता,

edit copy

बल और अक्सर ऐसा टूटापन उत्पन्न करते हैं, जिसकी आवष्यकता हमें अपने जीवन को ढालने के लिए पड़ती है। घावों के ये निषान हमारे विजय पदक बन जाते हैं।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु, जीवन के संकटो और क्लेषों के द्वारा आपको जानने के लिए मिलने वाले अवसरों के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। मेरा जीवन आपकी भलाई और विष्वासयोग्यता की गवाहियों से हमेषा चमकता रहे।

आज के लिए वचन

2 कुरिन्थियों 2:14 परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो मसीह में सदा हम को जय के उत्सव में लिये फिरता है, और अपने ज्ञान का सुगन्ध हमारे द्वारा हर जगह फैलाता है।

उत्पत्ति 32:25 जब उस ने देखा, कि मैं याकूब पर प्रबल नहीं होता, तब उसकी जांघ की नस को छूआ; सो याकूब की जांघ की नस उस से मल्लयुद्ध करते ही करते चढ़ गई।

1 कुरिन्थियों 15:57 परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।

प्रभु यीषु हमें नरक की अनन्तता और इस जीवन के नरक से बचाता है

मसीह को अपनाने का एक निर्णय लेकर हम उसके साथ अनन्तता को गले लगा लेते हैं। तथापि, उसकी इच्छा हमें केवल नरक की अनन्तता से ही नहीं बल्कि इस जीवन के नरक से बचाना भी है। अवष्य है कि हम नया जन्म पाएं और उसके बाद, हम में से प्रत्येक को अपने दैनिक जीवन में परमेष्वर का वचन लागू करने के द्वारा उस नए जन्म के अनुभव में जीना भी सीखना है।

आप क्या कर रहे हैं? क्या आप परमेष्वर के वचन की सामर्थ को यह अवसर दे रहे हैं कि वह आपके वर्तमान जीवन के साथ साथ आपके भविष्य को भी बदले? क्या आप अपने ऊपर सर्वोच्च अधिकारी के रूप में परमेष्वर के वचन की अधीनता में आ रहे हैं, चाहे यह कठिन ही क्यों न हो? केवल नरक की अनन्तता से ही न बचें बल्कि परमेष्वर के वचन का पालन करने के द्वारा इस जीवन के नरक से भी बच जाएं!

आज के लिए प्रार्थना

मेरे अनन्त घर के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। साथ ही, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि इस जीवन की सारी समस्याओं, संकटों और क्लेषों से बचने के लिए आप मुझे अपने वचन में से प्रतिदिन सिखाते हैं। प्रतिदिन आप पर भरोसा रखने और आपका आज्ञापालन करने में मेरी सहायता करें ताकि मुझे इस जीवन के साथ साथ आने वाले जीवन में भी शांति मिलती रहे।

आज के लिए वचन

edit copy

1 यूहन्ना 3:22 और जो कुछ हम मांगते हैं, वह हमें उस से मिलता है; क्योंकि हम उस की आज्ञाओं को मानते हैं; और जो उसे भाता है वही करते हैं।

मरकुस 10:29–30 यीशु ने कहा, मैं तुम से सच कहता हूं, कि ऐसा कोई नहीं, जिस ने मेरे और सुसमाचार के लिये घर या भाइयों या बहिनों या माता या पिता या लड़के–बालों या खेतों को छोड़ दिया हो। और अब इस समय सौ गुणा न पाए, घरों और भाइयों और बहिनों और माताओं और लड़के–बालों और खेतों को पर उपद्रव के साथ और परलोक में अनन्त जीवन।

सब शैतान झूठे हैं, परन्तु सब झूठे शैतान नहीं होते

शैतान झूठा है। बाइबल कहती है कि वह झूठ का पिता है। वह झूठ का आदि और अंत है। शैतान द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली सबसे बड़ी ताकत 'धोखा' है। उसके पूरे अस्तित्व का उद्देष्य हमें इस झूठ पर प्रतीति करवाना है कि हमारा जीवन प्रभु यीषु के बिना अच्छा हो सकता है। इस झूठ का प्रसार करने के लिए वह लोगों, हालातों, परिस्थितियों और अपने आप को सुरक्षित रखने की हमारी चाहतों को माध्यम के रूप में उपयोग करता है।

षैतान की सबसे बड़ी कमज़ोरी यह है कि उसने आपको बहुत कम आँका है। वह सोचता है कि आप बहुत जल्दी हार मान जाएंगे। परन्तु हममें उससे भी महान आत्मा है। हो सकता है कि हम सिद्ध नहीं हैं, परन्तु हमारी दिषा सिद्ध है। हो सकता है कि आप पाप कर बैठें और सुनने वालों को किसी झूठ पर प्रतीति दिलाने के लिए धोखे से भरे हुए शब्द बोलें, या हो सकता है कि आप बिल्कुल सफेद झूठ बोलें। ये सब बातें आपको शैतान नहीं बना देती, परन्तु आपसे उसके जैसे काम करवाती हैं। झूठ बोलना बंद कर दें और परमेष्वर से क्षमा मांगें। प्रेम में होकर सच बोलें, अन्यथा कुछ भी न बोलें।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, कृपया मुझे याद दिलाएं कि मुझे हमेषा सच बोलना हैं। मेरी सहायता करें कि झूठ या धोखे के द्वारा अपने आप को सुरक्षित रखने की बजाय मैं अपनी देखभाल के लिए आप पर भरोसा रखूं। मैं आप के लिए समर्पित हूँ और मैं शत्रु के इस धोखे की प्रतीति नहीं करूंगा कि मेरा जीवन प्रभु यीषु के बिना अच्छा हो सकता है।

आज के लिए वचन

इफिसियों 4:15 बरन प्रेम में सच्चाई से चलते हुए, सब बातों में उस में जो सिर है, अर्थात् मसीह में बढ़ते जाएं।

यूहन्ना 8:44 तुम अपने पिता शैतान से हो, और अपने पिता की लालसाओं को पूरा करना चाहते हो। वह तो आरम्भ से हत्यारा है, और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उस में है ही नहीं: जब वह झूठ बोलता, तो अपने स्वभाव ही से बोलता है; क्योंकि वह झूठा है, बरन झूठ का पिता है।

अपने शाऊलों और गोलियतों में फर्क करें

दाऊद के जीवन में दो वास्तविक शत्रु थे और उसने उन दोनों के साथ बिल्कुल अलग अलग व्यवहार किया। एक शत्रु, राजा शाऊल, जिसने उसे जान से मारने के लिए कई वर्षों तक उसका पीछा किया और उसके अभिषिक्त भविष्य को नाष करना चाहा। फिर हमारे जीवन में गोलियत भी होते हैं जो हमें ताने मारते हैं और चुनौती देते हैं। वह क्या बात है जो इन शत्रुओं को एक दूसरे से अलग करती है? राजा शाऊल, चाहे वह दाऊद के लिए खतरनाक था, एक ऐसा व्यक्ति था जिसे परमेष्वर ने दाऊद के जीवन में रखा था और दाऊद शाऊल की अधीनता में था। इसे केवल परमेष्वर ही बदल सकता था। दाऊद को अपने अधिकारी के विरूद्ध हाथ उठाने की अनुमति नहीं थी। तथापि, गोलियत दाऊद के लिए एक शत्रु के अलावा और कुछ नहीं था। गोलियत के विरूद्ध खड़े होना और उसे हराना दाऊद का हक़ और जिम्मेदारी थी।

आप के जीवन के अलग अलग शस्त्रुओं में से, कौन कौन लोग राजा शाऊल हैं जिन्हें परमेष्वर सम्भालेगा और कौन कौन लोग गोलियत हैं जिन्हें सम्भालना और उनका सामना करना आपकी जिम्मेदारी है?

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मैं आपसे प्रेम करता हूँ। कृपया मेरी सहायता करें कि मैं अपने अगुवों का आदर करने और उन पर भरोसा रखने के लिए अपने आप को अनुषासित करूँ। चाहे वे मुझे हटाना ही क्यों न चाहें, मुझे ये मुद्दे अपने हाथ में न लेने दें। हे प्रभु, मुझे मेरे जीवन के उन गोलियतों का नाष करने में मदद करें जो मुझे, आपके लोगों और आपको ताने मारते और कोसते हैं। आपके विजय दिलाने वाले बल के लिए आपका धन्यवाद।

आज के लिए वचन
1 शमूएल 24:6 और अपने जनों से कहने लगा, यहोवा न करे कि मैं अपने प्रभु से जो यहोवा का अभिषिक्त है ऐसा काम करूं, कि उस पर हाथ चलाऊं, क्योंकि वह यहोवा का अभिषिक्त है।

1 शमूएल 17:46 आज के दिन यहोवा तुझ को मेरे हाथ में कर देगा, और मैं तुझ को मारूंगा, और तेरा सिर तेरे धड़ से अलग करूंगा; और मैं आज के दिन पलिश्ती सेना की लोथें आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के जीव जन्तुओं को दे दूंगा; तब समस्त पृथ्वी के लोग जान लेंगे कि इस्राएल में एक परमेश्वर है।

शांति में जाएं, टुकड़ों में नहीं
चाहे हम अपने जीवन के किसी भी हालात या परिस्थिति का सामना क्यों न कर रहें हों, परमेष्वर हमें उसे पुकारने और उसके पास आने का प्रत्येक अवसर देता है। जब हम परमेष्वर को पुकारेंगे, वह हमारी सुनेगा, हमें जवाब देगा, वह हमें बड़ी बड़ी बातें बताएगा जिन्हें हम पहले नहीं जानते थे। उसके पास हमारी प्रत्येक समस्या और हमारे जीवन में आने वाली प्रत्येक परेषानी का जवाब है। उसे पुकारने और अपनी विनतियों तथा स्तुति के साथ उसकी उपस्थिति में आने से हमें उसकी ओर से जवाब प्राप्त करने का आष्वासन मिलता है। उसकी

edit copy

उपस्थिति में आनन्द की भरपूरी है। तथापि, हमें हमेषा अपने प्रार्थना कक्ष में रहकर उसके प्रेम, उसके आराम और उसके अनुग्रह से भरते ही नहीं रहना है। ऐसा भी समय आता है जब हमें आगे बढ़कर जीवन की परिस्थितियों का सामना भी करना पड़ता है।

ऐसे समय में, परमेष्वर चाहता है कि आप शांति में जाएं, टुकड़ों में नहीं। परमेष्वर की शांति, जो आपको प्रार्थना में मिलती है, आपके दैनिक कार्यों में आपके साथ साथ रहे।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, प्रत्येक परिस्थिति में आपकी शांति के लिए धन्यवाद। मैं अपने जीवन के लिए आपकी योजनाओं को जानने के लिए आपकी ओर दृष्टि करता हूँ। आपकी शांति में चलते हुए मुझे प्रत्येक अवसर का लाभ उठाने में मेरी मदद करें।

आज के लिए वचन
फिलिप्पियों 4:7 तब परमेश्वर की शान्ति, जो समझ से बिलकुल परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी।।

फिलिप्पियों 4:9 जो बातें तुम ने मुझ से सीखीं, और ग्रहण की, और सुनी, और मुझ में देखीं, उन्हीं का पालन किया करो, तब परमेश्वर जो शान्ति का सोता है तुम्हारे साथ रहेगा।।

कुलुस्सियों 3:15 और मसीह की शान्ति जिस के लिये तुम एक देह होकर बुलाए भी गए हो, तुम्हारे हृदय में राज्य करे, और तुम धन्यवादी बने रहो।

परमेष्वर जीवन के पक्ष में है, परन्तु वह चयन करने का अवसर देता है

क्या आप जानते हैं कि जो चयन आपने बीते कल में किए थे, वे आपके जीवन और भविष्य को प्रभावित कर चुके हैं? आप अपना आज अपने बीते कल में किए हुए निर्णयों के परिणामस्वरूप जी रहे हैं। वाह, कितनी बढ़िया बात है! मैं अपने आने वाले कल को बदल सकता हूँ। हाँ! परमेष्वर हमें सर्वोत्तम जीवन देना चाहता है, परन्तु अवष्य है कि वह जीवन उसके अनुसार जीया जाए, हमारे अनुसार नहीं; उसके चयनों के अनुसार, हमारे चयनों के अनुसार नहीं।

जब हम अपनी परिस्थितियों के आधार पर निर्णय ले लेते हैं, या उस आधार पर, जिससे हमारा जीवन और अधिक आरामदायक हो जाए, तो हम अपने जीवन के लिए परमेष्वर के सर्वोत्तम को खो बैठते हैं। आरामदायक निर्णय न लें, बल्कि कायल होने वाले निर्णय लें, जिनसे आप के जीवन में उलझन के स्थान पर चरित्र का निर्माण हो। परमेष्वर जीवन के पक्ष में है...वह आपके जीवन के पक्ष में है... परन्तु वह हमें हमारे चयन करने देता है।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, मेरी सहायता करें कि आज मैं गुणी निर्णय ले सकूँ जिनसे मेरा आने वाला कल उस मंज़िल की ओर बढ़े जो आपने मेरे तैयार की है। मैं आपके जैसा और अधिक बनना चाहता हूँ। मुझे अपने प्रिय पुत्र के स्वरूप में ढाल लें। मैं जीवन का चयन करता हूँ!

editcopy

आज के लिए वचन

यहोषू 24:15 और यदि यहोवा की सेवा करनी तुम्हें बुरी लगे, तो आज चुन लो कि तुम किस की सेवा करोगे, चाहे उन देवताओं की जिनकी सेवा तुम्हारे पुरखा महानद के उस पार करते थे, और चाहे एमोरियों के देवताओं की सेवा करो जिनके देश में तुम रहते हो; परन्तु मैं तो अपने घराने समेत यहोवा की सेवा नित करूंगा।

यषायाह 7:14–15 इस कारण प्रभु आप ही तुम को एक चिन्ह देगा। सुनो, एक कुमारी गर्भवती होगी और पुत्र जनेगी, और उसका नाम इम्मानूएल रखेगी। और जब तक वह बुरे को त्यागना और भले को ग्रहण करना न जाने तब तक वह मक्खन और मधु खाएगा।

योएल 3:14 निबटारे की तराई में भीड़ की भीड़ है! क्योंकि निबटारे की तराई में यहोवा का दिन निकट है।

कलीसिया जाने वालों, रहने वालों, प्रार्थनाओं और दानियों से मिलकर बनी है... आप कहां सेवा करने के लिए बुलाए गए हैं?

फुटबॉल के खेल में जीतने के लिए प्रत्येक खिलाड़ी को अपने स्थान में बने रहने और अपना काम पूरा करने की आवष्यकता होती है, तो लोगों के प्राणों के लिए परमेष्वर और शैतान की ताकतों के बीच युद्ध में और कितनी अधिक इसकी आवष्यकता पड़ेगी? कलीसिया केवल परमेष्वर का परिवार, मसीह की देह और दुल्हन ही नहीं, बल्कि इस पृथ्वी पर परमेष्वर की सेना भी है।

कलीसिया अलग किए हुए और बुलाए हुए मसीहियों का समूह है, जिसमें अपने प्रयासों को सफल बनाना प्रत्येक का कर्त्तव्य और जिम्मेदारी है। हमारा समूह ऐसे लोगों से मिलकर बना है जो जाकर दूसरों को बताएंगे, जो पीछे रहकर सामान की रक्षा करेंगे, जो सब बातों के लिए प्रार्थना करेंगे और जो सारे कार्य में अर्थिक सहयोग देंगे। परमेष्वर ने आपको इनमें से कौन सा काम करने के लिए बुलाया है? अपना स्थान लें... आओ चलें, आओ लड़ें, आओ जीतें!

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, आपके राज्य और मसीह के लिए में अपना काम पूरा करने का समर्पण करता हूँ। हे प्रभु, मुझे दिखाएं कि आपने मुझे किस लिए बुलाया है, मुझे तैयार करें और इस्तेमाल करें। मैं आपके आदेष का पालन करने के लिए तैयार हूँ।

आज के लिए वचन

रोमियों 12:4 क्योंकि जैसे हमारी एक देह में बहुत से अंग हैं, और सब अंगों का एक ही सा काम नहीं।

1 कुरिन्थियों 12:12 क्योंकि जिस प्रकार देह तो एक है और उसके अंग बहुत से हैं, और उस एक देह के सब अंग, बहुत होने पर भी सब मिलकर एक ही देह हैं, उसी प्रकार मसीह भी है।

edit copy

इफिसियों 4:16 जिस से सारी देह हर एक जोड़ की सहायता से एक साथ मिलकर, और एक साथ गठकर उस प्रभाव के अनुसार जो हर एक भाग के परिमाण से उस में होता है, अपने आप को बढ़ाती है, कि वह प्रेम में उन्नति करती जाए।।

कौन सही है उतना महत्त्वपूर्ण नहीं है जितना यह कि क्या सही है

जब कभी हम किसी दूसरे व्यक्ति से बहस करते हैं तो हमारी दलीलें स्वार्थपरायण होती हैं। साधारणतः हमारे विचार और कथन इस पर आधारित होते हैं कि हमारे लिए क्या अच्छा है और ये हमारी बात को सही प्रमाणित करने के लिए तैयार किए जाते हैं। प्रत्येक व्यक्ति अपनी दृष्टि में सही होता है। तथापि, प्रत्येक व्यक्ति सही होता नहीं है। अपने दृष्टिकोण को विस्तृत करने के लिए यह अभ्यास करें। अगली बार जब आपकी किसी के साथ असहमति हो, तो उस व्यक्ति से कहें कि थोड़ी देर के लिए वह आपका स्थान ले और आप उसका। आप उसकी बातों के लिए बहस करें और उसे आपकी बातों के लिए बहस करने दें।

यह अभ्यास भयावह भी हो सकता है और शैक्षिक भी। जो लोग सर्वोत्तम निर्णयों का पीछा करने की ठान लेते हैं, उनके लिए विपरीत दृष्टिकोण देना ज्ञान प्राप्त करने और समस्याओं को सुलझाने का बहुमूल्य साधन बन सकता है। एकता की ओर बढ़ने के लिए संघर्ष अक्सर एक आवष्यक कदम होता है।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मेरी सहायता करें कि मैं दूसरों के विचारों को अपने विचारों जितना ही महत्त्व दूँ। मुझे अनुग्रह दें कि मैं अपने साथ असहमत होने वालों का आदर कर सकूँ और यह क्षमता दें कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए उचित परिणाम तक पहुंच सकूँ। मेरी आंखों और दूसरों की आंखों के द्वारा अपना सत्य प्रकट करें।

आज के लिए वचन

यषायाह 1:18 यहोवा कहता है, आओ, हम आपस में वादविवाद करें: तुम्हारे पाप चाहे लाल रंग के हों, तौभी वे हिम की नाईं उजले हो जाएंगे; और चाहे अर्गवानी रंग के हों, तौभी वे ऊन के समान श्वेत हो जाएंगे।

प्रेरित 11:17 सो जब कि परमेश्वर ने उन्हें भी वही दान दिया, जो हमें प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करने से मिला था; तो मैं कौन था जो परमेश्वर को रोक सकता?

गलातियों 2:11 पर जब कैफा अन्ताकिया में आया तो मैं ने उसके मुंह पर उसका साम्हना किया, क्योंकि वह दोषी ठहरा था।

जो कलीसियाएं सुसमाचार प्रचार नहीं करती, वे अक्सर मर जाती हैं

परमेष्वर ने कलीसिया को आगे बढ़ते रहने का जो एकमात्र आदेष दिया था, वह सारे संसार में जाकर सुसमाचार प्रचार करने और षिष्य बनाने का आदेष था। प्रभु यीषु ने कहा कि वह वह केवल खोए हुओं को ढूंढने और बचाने आया था और यह कि वह एक खोए हुए को ढूंढने के लिए उन 99 को खुषी खुषी छोड़ देगा जो बचाए जा चुके हैं और सुरक्षित स्वर्ग के मार्ग पर

हैं। यह स्पष्ट है कि हमें सुसमाचार प्रचार करके आत्माएं जीतने वाला और प्रभु यीषु मसीह के महिमामय सुसमाचार का गवाह बनने के लिए बुलाया गया है। जिन्होंने इस बुनियादी जिम्मेदारी को भुला दिया है उन्हें कलीसिया कहलाने का कोई हक़ नहीं है।

कई कलीसियाएं छोटी छोटी समस्याओं और साधारण सांसारिक बातों के कारण टूट और बिखर जाती हैं, जैसे गलीचे का रंग, गीतों का चयन या क्रिसमिस के कार्यक्रम में प्रमुख भूमिका किसे मिलेगी। जबकि एक ओर कलीसिया आपस में बहस करने, एक दूसरे को काटने और फाड़ खाने में व्यस्त है, वहीं दूसरी ओर आत्माएं नाष हो रही हैं और नरक की ओर बढ़ रही हैं। परमेष्वर के भवन में चुगली और झगड़े का कोई स्थान नहीं है। बेकार की बातों में न फंसे रहें।

आज के लिए प्रार्थना
प्रिय प्रभु, मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप मुझे और मेरे संगी साथियों को समझ दें ताकि हम बेकार की बातों और ऐसी बातों पर, एक दूसरे के साथ बहस न करें, जिनके द्वारा आपके राज्य में कोई आत्मा नया जन्म नहीं पाती। मैं अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाऊँगा।

आज के लिए वचन
1 तीमुथियुस 5:13 और इस के साथ ही साथ वे घर घर फिरकर आलसी होना सीखती है, और केवल आलसी नहीं, पर बकबक करती रहती और औरों के काम में हाथ भी डालती हैं और अनुचित बातें बोलती हैं।

2 थिस्सलुनीकियों 3:11 हम सुनते हैं, कि कितने लोग तुम्हारे बीच में अनुचित चाल चलते हैं; और कुछ काम नहीं करते, पर औरों के काम में हाथ डाला करते हैं।

नीतिवचन 11:30 धर्मी का प्रतिफल जीवन का वृक्ष होता है, और बुद्धिमान मनुष्य लोगों के मन को मोह लेता है।

जीवन को एक एक कदम करके जीता जाता है
चैंपियन पैदा नहीं होते, वे समय के साथ साथ तैयार किए जाते हैं। उनके लक्ष्य स्पष्ट होते हैं। वे जानते हैं कि उन्होंने अपने जीवन में क्या हासिल करना है। ओलम्पिक के अधिकतर स्वर्ण पदक विजेताओं ने इस सम्मानजनक प्रतिस्पर्धा में जीतने का सपना अपना चयन किए जाने से भी कई वर्ष पहले देखा था।

क्या आपने कभी सर्वोत्तम बनने का सपना देखा है... सर्वोत्तम पति, पत्नी, पिता, माता, बेटा, बेटी, या परमेष्वर की संतान? इन सबका आरम्भ एक चाहत से होता है। तब आपको प्रत्येक दिन लेना है और महान बनने की योजना को तैयार करना है। प्रषिक्षण ही है जो विजेता को सामान्य से अलग करता है। जीवन को एक एक कदम करके जीता जाता है। आप तब तक चैंपियन नहीं बन सकते जब तक कि आप प्रतिदिन जीतना न सीख लें।

edit copy

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मेरी सहायता करें कि मेरे पास दैनिक कार्यनीति के साथ भविष्य का एक दर्षन हो। मेरी सहायता करें कि मैं अपने आज को कुर्बान किए बिना आने वाले कल पर ध्यान लगा सकूँ। मुझे छोटे छोटे काम करना याद दिलाएं ताकि आप बड़े कामों के लिए भी मुझ पर भरोसा कर सकें। मुझे अपना सर्वोत्तम करने के लिए आपकी सहायता की आवष्यकता है।

आज के लिए वचन

1 कुरिन्थियों 9:24 क्या तुम नहीं जानते, कि दौड़ में तो दौड़ते सब ही हैं, परन्तु इनाम एक ही ले जाता है? तुम वैसे ही दौड़ो, कि जीतो।

इब्रानी 12:1 इस कारण जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हम को घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु, और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिस में हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें।

भोजन साथ ले जाना न भूलें

आज, यीषु आंखें उठाकर देखता है कि एक बड़ी भीड़ उसके पास आ रही है। वह हम से पूछ रहा है कि इतनी बड़ी भीड़ के लिए हम जीवन की रोटी कहां से लाएंगे। यीषु अपने प्रष्न का जवाब पहले से ही जानता है। तथापि, वह अपेक्षा कर रहा है कि आप इस भीड़ को जीवन की रोटी दें। यदि आप मरकुस 6 की घटना को जानते हैं, तो यह भी जानते होंगे कि षिष्यों की समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करें। वे उस दिन के लिए तैयार नहीं थे और उन्होंने भोजन साथ ले जाना भी जरूरी नहीं समझा।

प्रभु के हाथों में थोड़ा भी बहुत हो जाता है, और प्रतिदिन जो साधारण वस्तुएं हम उसे सौंपते हैं, वे भी बहुत बड़ा अंतर ला सकती हैं। उस दिन एक बालक ने अपनी तैयारी करने में समय बिताया। परिणामस्वरूप, यीषु ने अपनी व्यक्तिगत तैयारी को लिया और उसे बहुगुणित करके उन हजारों लोगों की आवष्यकताएं पूरी कीं जो तैयार नहीं थे। भोजन साथ ले जाना न भूलें। प्रत्येक सुबह परमेष्वर से वचन प्राप्त करने में समय बिताएं, और जहां कहीं भी आप जाते हैं उसे अपने साथ लेकर जाएं।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि मैं एक अनुषासित व्यक्ति हूँ। मैं अपने भविष्य की तैयारी को लेकर बहुत उत्साहित हूँ। मैं आज से ही योजना बनानी आरम्भ कर दूंगा ताकि जब आप मुझे बुलाएं तो मैं तैयार रहूँ। मेरे पास जो थोड़ा सा है, उसका इस्तेमाल भीड़ को भोजन खिलाने के लिए करें। मैं उपलब्ध हूँ।

आज के लिए वचन

यूहन्ना 6:5 तब यीशु ने अपनी आंखे उठाकर एक बड़ी भीड़ को अपने पास आते देखा, और फिलिप्पुस से कहा, कि हम इन के भोजन के लिये कहां से रोटी मोल लाएं?

edit copy

यूहन्ना 6:9 यहां एक लड़का है जिस के पास जव की पांच रोटी और दो मछलियां हैं परन्तु इतने लोगों के लिये वे क्या हैं।

परमेष्वर के राज्य की संस्कृति को अपनाएं

सारा संसार, प्रत्येक राष्ट्र, यहां तक कि कई समुदाय विभिन्न संस्कृतियों, जातियों और परम्पराओं से भरे पड़े हैं। प्रत्येक की अपनी विरासत और इतिहास हैं जो उनके पूर्वजों ने बनाए थे, जिन्होंने सारे रीतिरिवाज और षिष्टाचार प्रत्येक समूह को दिए थे। हमारी संस्कृति अक्सर हमें बताती है कि क्या सही है और क्या गलत, क्या स्वीकार्य है और क्या अस्वीकार्य, और हमें जीवन के नियम निर्धारित करने के लिए सामान्यता का एक मंच देती है, ताकि हम अपने समुदाय के अन्य लोगों के साथ सुरक्षित जीवन जी सकें।

हमारी संस्कृति हमें लोगों के साथ केवल जोड़ती ही नहीं है, बल्कि यह हमें उन लोगों से अलग भी करती है जो जीवन की सामान्य मान्यताओं और संस्कारों को स्वीकार नहीं करते। जो बात एक संस्कृति में स्वीकार्य है, हो सकता है कि वह किसी दूसरी संस्कृति में ठोकर का कारण हो। इसी कारण, मसीह के विष्वासी और कलीसिया के सदस्य होने के नाते हमें अपनी संस्कृति से बढ़कर परमेष्वर के राज्य की संस्कृति को अपनाना अनिवार्य है। अवष्य है कि हम अपने पुराने मनुष्यत्व को उतार फेंकने और नई सृष्टि, स्वर्ग के निवासी और परमेष्वर की संतान के जैसे वस्त्र पहनने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। परमेष्वर के राज्य की संस्कृति को अपनाएं।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, जब मैं अपनी संस्कृति से बढ़कर आपके राज्य के रीतिरिवाजों और परम्पराओं को अपनाने का प्रयास करता हूँ, तो मुझे अपने मार्ग सिखाएं। जहां मुझे परिवर्तन की आवष्यकता है वहां मुझे परिवर्तन करने के लिए यीषु के नाम में मेरी सहायता करें।

आज के लिए वचन

मत्ती 18:3 और कहा, मैं तुम से सच कहता हूं, यदि तुम न फिरो और बालकों के समान न बनो, तो स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने नहीं पाओगे।

इफिसियों 3:20 अब जो ऐसा सामर्थी है, कि हमारी बिनती और समझ से कहीं अधिक काम कर सकता है, उस सामर्थ के अनुसार जो हम में कार्य करता है,

इफिसियों 2:19 इसलिये तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए।

हम परमेष्वर के साथ संबंध को कानूनवादी नहीं बना सकते

परमेष्वर ऐसा परमेष्वर है जिसका दर्षन हमारी कल्पना से परे, हमारे कानूनवाद से परे और हमारी संस्थाओं और प्रबंधन के सर्वोत्तम प्रयासों के द्वारा उसकी योजना को सम्भालने की हमारी क्षमता से परे है। हाथों के हुनर से मंजिल निर्धारित नहीं होती और परमेष्वर की योजनाओं की पूर्ति मनुष्य की क्षमताओं से बाहर है। उसके मार्गों की कोई थाह नहीं है। इसी

edit copy

कारण प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक परिवार और कलीसिया का सारा कार्यभार साधारण लोकतांत्रिक प्रक्रिया के द्वारा नहीं बल्कि परमेष्वर के आत्मा के चलाए चलना चाहिए।

परमेष्वर अन्यायी नहीं है। तथापि, वह मनुष्य से बहुत ऊँचा है और मनुष्य की बुद्धि में सीमित नहीं है। यह बात मायने नहीं रखती कि जब परमेष्वर नंबर एक है तो नंबर दो कौन है। जब कोई व्यक्ति या कलीसिया इस बात की परवाह नहीं करते कि श्रेय किसको मिलता है तो भलाई करने की उनकी सारी सीमाएं समाप्त हो जाती हैं।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, अपने आत्मा के द्वारा मेरी अगुवाई करें और आपके द्वारा मेरे ऊपर नियुक्त अगुवों का अनुसरण करने के लिए आवष्यक अनुग्रह और भरोसा मुझे दें। आप जिन्हें चुनेंगे, मैं उनका सहयोग करूँगा और उनके प्रति वफ़ादार बना रहूँगा। उनकी अगुवाई भी आप अपने आत्मा के द्वारा करें।

आज के लिए वचन
रोमियों 8:14 इसलिये कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं।

गिनती 16:3 और वे मूसा और हारून के विरूद्ध उठ खड़े हुए, और उन से कहने लगे, तुम ने बहुत किया, अब बस करो; क्योंकि सारी मण्डली का एक एक मनुष्य पवित्र है, और यहोवा उनके मध्य में रहता है; इसलिये तुम यहोवा की मण्डली में ऊंचे पदवाले क्यों बन बैठे हो?

ज़िंदगी आपको परेषान करेगी, आपको षिक्षा देगी या आपको प्रेरणा देगी – चयन आपका है

कभी कभी अच्छे लोगों के साथ बुरी बातें हो जाती हैं। जब जब यूसुफ को गुलामी में बेचा गया और उसे अपने सपनों से कम परिस्थितियों में जीना पड़ा, उसने अपना व्यवहार अच्छा बनाए रखा और अपने छुटकारे के लिए धीरज के साथ परमेष्वर की प्रतीक्षा करता रहा। जब सब कुछ निराषापूर्ण था और वह राजा के बंदीगृह में अकेला महसूस कर रहा था, तो उस समय परमेष्वर यूसुफ और उसकी भलाई के लिए सबकुछ व्यवस्थित कर रहा था। शैतान की योजना यह है कि वह आपके जीवन की परिस्थितियों को ले और उनका उपयोग आपको और आपके भविष्य को नष्ट करने के लिए करे। परमेष्वर आपके जीवन की परिस्थितियों को लेता है और उनका उपयोग आपका भविष्य बनाने और आपको आषा देने के लिए करता है।

जब कभी हम जीवन की कठिनाइयों में से गुजरते हैं तो हमें यह पहले से ही ज्ञात होना चाहिए कि शैतान इसे बुराई के लिए उपयोग करेगा, परन्तु परमेष्वर इसे भलाई में बदल देगा। ज़िंदगी को आपको परेषान न करने दें। ज़िंदगी इतनी छोटी है कि इसमें हर समय परेषान नहीं रहा जा सकता। बल्कि, ज़िंदगी से षिक्षा और प्रेरणा प्राप्त करें ताकि आप सचमुच परमेष्वर की आषा पर ध्यान केन्द्रित कर सकें।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं यीषु के नाम से आपकी सहायता मांगता हूँ कि मैं जीवन के तूफानों से पार हो सकूँ। मैं आपकी सहायता से विजय प्राप्त करूँगा और इन कठिनाइयों पर जयवंत होऊँगा। क्योंकि मैं जानता हूँ कि आपके पास मेरे जीवन के लिए बेहतर योजना है और आप मेरी परेषानियों को मेरे जीवन के पाठ बना दोगे। आपका धन्यवाद। आमीन।

आज के लिए वचन

2 कुरिन्थियों 4:17–18 क्योंकि हमारा पल भर का हल्का सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही महत्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता जाता है। और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं, क्योंकि देखी हुई वस्तुएं थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएं सदा बनी रहती हैं।

उत्पत्ति 50:20 यद्यपि तुम लोगों ने मेरे लिये बुराई का विचार किया था; परन्तु परमेश्वर ने उसी बात में भलाई का विचार किया, जिस से वह ऐसा करे, जैसा आज के दिन प्रगट है, कि बहुत से लोगों के प्राण बचे हैं।

निर्गमन 1:12 पर ज्यों ज्यों वे उनको दुःख देते गए त्यों त्यों वे बढ़ते और फैलते चले गए; इसलिये वे इस्राएलियों से अत्यन्त डर गए।

जो आपके साथ हो रहा है उसे अपने भीतर कभी न कार्य करने दें अन्यथा वह आपके द्वारा कार्य करने लगेगा। बल्कि जो आपके साथ हो रहा है उसके बारे में परमेष्वर के वचन को आपके भीतर कार्य करने दें और परमेष्वर आपके द्वारा कार्य करने लगेगा।

अभी ज़िंदगी आप पर कार्य कर रही है। सुबह जागने से लेकर रात को सोने तक यह सांसारिक सिस्टम आपको हराने का प्रयास करता रहता है। यदि हम सतर्क नहीं हैं, तो जो दबाव हम पर रहते हैं, वे हमारे मनों में प्रवेष कर जाएंगे, हमारे विचारों पर हावी होंगे और हमारी भावनाओं को नियंत्रित करेंगे। जो हमारे साथ हो रहा है वह हमारे भीतर कार्य करना चाहता है ताकि अंत में वह हमारे द्वारा कार्य करने लगे और दूसरों को प्रभावित करे।

अवष्य है कि जो हमारे साथ हो रहा है उसके बारे में परमेष्वर के वचन को हमारे भीतर कार्य करने दें, और तब ब्रह्मांड का सृष्टिकर्ता हमारे द्वारा कार्य कर सकेगा। याद रखें, कि परमेष्वर के वचन की निरंतर खुराक के बिना सांसारिक सिस्टम आपके जीवन में जड़ पकड़ने लगेगा और विजयी हो जाएगा।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आप मेरे दृष्टिकोण को बदल कर अपने वचन, अपनी इच्छा और अपने मार्गों के अनुरूप बना रहे हैं। मैं मिट्टी हूँ और आप कुम्हार हैं। जब आपका वचन मेरे भीतर जाता है, तो इसे मुझमें कार्य करने दें, ताकि आप मेरे द्वारा कार्य कर सकें। आपकी इच्छा मेरे जीवन में पूरी हो। आमीन।

आज के लिए वचन

edit copy

यूहन्ना 16:33 मैं ने ये बातें तुम से इसलिये कही हैं, कि तुम्हें मुझ में शान्ति मिले; संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बांधो, मैं ने संसार को जीत लिया है।।

याकूब 1:2 हे मेरे भाइयों, जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो तो इसे पूरे आनन्द की बात समझो।

1 थिस्सलुनीकियों 2:13 इसलिये हम भी परमेश्वर का धन्यवाद निरन्तर करते हैं; कि जब हमारे द्वारा परमेश्वर के सुसमाचार का वचन तुम्हारे पास पहुंचा, तो तुम ने उस मनुष्यों का नहीं, परन्तु परमेश्वर का वचन समझकर (और सचमुच यह ऐसा ही है) ग्रहण कियाः और वह तुम में जो विश्वास रखते हो, प्रभावशाली है।

एक व्यक्ति कलीसिया के लिए जहां जाता है, अक्सर प्रकट कर देता है कि वह कलीसिया में क्यों जाता है

बहुत सारे कारण हैं कि लोग कलीसिया में क्यों जाते हैं। कुछ लोग पदवी प्राप्त करने के लिए कलीसिया में जाते हैं (गीत गाना, स्टाफ को काम देना इत्यादि)। कुछ लोग व्यक्तित्व के कारण कलीसिया में जाते हैं (उन्हें प्रचारक पसंद है, कलीसिया में उनके दोस्त आते हैं इत्यादि)। कुछ लोग खुषी के लिए कलीसिया में जाते हैं। वे हमेषा किसी न किसी बड़े आयोजन की प्रतीक्षा करते रहते हैं। ये सब अच्छे कारण हैं।

मैं सोचता हूँ कि कलीसिया में आने के लिए सबसे अच्छा कारण उस कलीसिया का उद्देष्य होना चाहिए। उस कलीसिया का उद्देष्य क्या है? क्या यह सारे संसार में सुसमाचार का प्रचार करना है? आपका समय, धन और प्रतिभाएं अनमोल सम्पत्ति हैं जिन्हें बुद्धिमानी के साथ निवेष किया जाना चाहिए। अपने आप को जांच कर पता लगाएं कि आप अपनी स्थानीय कलीसिया के साथ क्यों जुड़े हुए हैं। यदि ये कारण उचित नहीं हैं, तो कलीसिया बदलने से पहले कारण बदल लें।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, कलीसिया में जाने का कारण जांचने में मेरी सहायता करें और यदि वे आपकी इच्छा के परिमाप के अनुरूप नहीं हैं, तो फिर से मूल्यांकन करने और उचित परिवर्तन करने में मेरी सहायता करें। कृपया मेरी कलीसिया को आषीष दें ताकि हम आपको और अधिक प्रसन्न कर सकें।

आज के लिए वचन

प्रेरित 2:47 और परमेश्वर की स्तुति करते थे, और सब लोग उन से प्रसन्न थेः और जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु प्रतिदिन उन में मिला देता था।।

1 कुरिन्थियों 14:12 इसलिये तुम भी जब आत्मिक वरदानों की धुन में हो, तो ऐसा प्रयत्न करो, कि तुम्हारे वरदानों की उन्नति से कलीसिया की उन्नति हो।

editcopy

इब्रानी 10:25 और एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसे कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहें; और ज्यों ज्यों उस दिन को निकट आते देखो, त्यों त्यों और भी अधिक यह किया करो।।

अधिकारियों की बात सर्वमान्य होती है

"क्योंकि मैंने कहा है, इसलिए ऐसा ही होगा।"

हो सकता है कि हम सब इन शब्दों परिचित हों। जब हम बच्चे थे तो हमने कितनी बार ये शब्द अपने माता–पिता से सुने थे? जीवन के आरम्भिक दिनों से ही हमने अधिकार और अनुमति के बारे में सीखना आरम्भ कर दिया था। समय बीतने के साथ साथ हम कई और अधिकारियों के आदि हो गए, उदाहरणार्थ – अध्यापक, मालिक, सरकार, इत्यादि। हम इन अधिकारियों की बात सुनने और मानने का चयन कर सकते हैं या अपनी मनमर्जी पूरी कर सकते हैं। अंत में सभी को अधिकार की अधीनता में आना ही पड़ता है, चाहे वे ऐसा स्वेच्छा से करें या मजबूर होकर।

सफल और संतुष्ट जीवन की एक कुंजी यह समझ लेना है कि अधिकारियों की बात सर्वमान्य होती है। बाइबल हमें बताती है कि परमेष्वर ने स्वर्ग के साथ साथ पृथ्वी पर भी अधिकार स्थापित किए हैं। इसलिए जब हम अपने ऊपर नियुक्त अधिकारियों के नियम और कानूनों को मानते हैं तो हम या तो परमेष्वर का आज्ञापालन कर रहे हैं या आज्ञाउल्लंघन। अच्छे कर्मचारी, अच्छे नागरिक और अच्छे आदर्ष बनकर हम दरअसल परमेष्वर का आदर करते हैं और अपने स्वर्गिक पिता की अच्छी संतान बनते हैं।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं आपकी अच्छी और आज्ञाकारी संतान बनना चाहता हूँ। मैं जानता हूँ कि यह जीवन मेरा नहीं बल्कि आपका है। कृपया मुझे याद दिलाते रहें कि सब अधिकार आपकी ओर से ही आते हैं। कृपया मुझे दिखाएं कि मैं अपने अधिकारियों के साथ कैसे काम करूँ ताकि मैं भविष्य में सफल हो सकूँ।

आज के लिए वचन

नीतिवचन 19:21 मनुष्य के मन में बहुत सी कल्पनाएं होती हैं, परन्तु जो युक्ति यहोवा करता है, वही स्थिर रहती है।

रोमियों 13:1–2 हर एक व्यक्ति प्रधान अधिकारियों के आधीन रहे; क्योंकि कोई अधिकार ऐसा नहीं, जो परमेश्वर की ओर से न हो; और जो अधिकार हैं, वे परमेश्वर के ठहराए हुए हैं। इस से जो कोई अधिकार का विरोध करता है, वह परमेश्वर की विधि का साम्हना करता है, और साम्हना करनेवाले दंड पाएंगे।

जो कुछ आप नहीं त्यागते और न ही जिसके बिना आप जी सकते हैं, वह आपके जीवन को नियंत्रित करेगा

edit copy

बाइबल में दो व्यक्ति ऐसे थे जिन्होंने अपनी सम्पत्ति को त्यागने से इन्कार कर दिया। एक व्यक्ति मत्ती 19 में नौजवान था जो बहुत धनी था और जिसने यीषु की आज्ञा न मानते हुए अपना सबकुछ गरीबों को देने से इन्कार कर दिया। उसने अपना धन अपने पास रखा परन्तु यीषु का अनुसरण करने का अवसर खो दिया। दूसरा व्यक्ति भी मत्ती 19 में ही प्रेरित पतरस था। पतरस ने कहा कि उसने और अन्य षिष्यों ने यीषु का अनुसरण करने के लिए अपना सबकुछ छोड़ दिया है। इन दोनों व्यक्तियों में क्या भिन्नता है? ज्यादा कुछ नहीं।

इन दोनों व्यक्तियों ने अपनी मूल्यवान सम्पत्ति को त्यागने से इन्कार कर दिया। उस नौजवान ने बाकी सबसे बढ़कर अपने धन का महत्त्व दिया, जबकि पतरस ने यीषु के साथ संबंध को जीवन से भी बढ़कर महत्त्व दिया। जो कुछ आप नहीं त्यागते और न ही जिसके बिना आप जी सकते हैं, वह आपके जीवन को नियंत्रित करेगा।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु, आप मेरे ह्रदय को जानते हैं। मुझे दिखाएं कि मैं अपने जीवन की प्राथमिकताओं को कैसे व्यवस्थित करूँ। मुझे अपनी प्राथमिकताओं को आपके जैसी बनाने में सहायता करें। मैं जीवन का एक ऐसा आदर्ष बनना चाहता हूँ, जिसका अनुसरण दूसरे लोग पूरे आत्मविष्वास के साथ कर सकें।

आज के लिए वचन

मत्ती 19:21–22 यीशु ने उस से कहा, यदि तू सिद्ध होना चाहता है; तो जा, अपना माल बेचकर कंगालों को दे; और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा; और आकर मेरे पीछे हो ले। परन्तु वह जवान यह बात सुन उदास होकर चला गया, क्योंकि वह बहुत धनी था।।

मत्ती 19:27 इस पर पतरस ने उस से कहा, कि देख, हम तो सब कुछ छोड़ के तेरे पीछे हो लिये हैंः तो हमें क्या मिलेगा?

अपनी नकारात्मक शुद्धता में सकारात्मक शुद्धता जोड़ लें

कई लोग सोचते हैं कि मसीही बनने का अर्थ यह है कि आप ज़िदगी का मज़ा नहीं ले सकते। इस धारणा को *नकारात्मक शुद्धता* कहा जा सकता है – "क्योंकि अब मैं एक मसीही हूँ... इसलिए अब मैं मज़ा नहीं कर सकता... जैसे मैं पहले किया करता था।" बुरे काम न करना निष्चय ही शुद्धता बनाए रखने का एक मूल्यवान माध्यम है। तथापि, यीषु के साथ संबंध का तात्पर्य केवल बुरे काम *न* करने से भी बढ़कर है।

यीषु ने कहा कि वह हमें एक भिन्न जीवन देगा – ऐसा जीवन जो सचमुच संतुष्टी भरा जीवन है। सच्चे आनन्दित जीवन का मार्ग यही है कि हम यह पता करें कि प्रभु को क्या भाता है और वही करें। हमारी नकारात्मक शुद्धता (ऐसे काम न करना जिससे प्रभु अप्रसन्न हो) में सकारात्मक शुद्धता (परमेष्वर के लिए कुछ करना) जोड़ लेने का अर्थ यही है। भजन 1 हमें बताता है कि जो व्यक्ति यह सोचता है कि प्रभु को प्रसन्न करने वाला जीवन कैसे जीऊँ, अंत में फलदायी और संतुष्ट जीवन प्राप्त करता है।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मैं जानता हूँ कि आप चाहते हैं कि मैं आनन्दित और संतुष्ट जीवन जीऊँ। कृपया मुझे वे बातें दिखाएं जो मैं इस उद्देष्य की पूर्ति के लिए कर सकता हूँ। मुझे सिखाएं कि आज मैं आपको प्रसन्न कैसे कर सकता हूँ और दूसरों के लिए आदर्ष कैसे बन सकता हूँ।

आज के लिए वचन

भजन 1:1–3 क्या ही धन्य है वह पुरूष जो दुष्टों की युक्ति पर नहीं चलता, और न पापियों के मार्ग में खड़ा होता; और न ठट्ठा करनेवालों की मण्डली में बैठता है! परन्तु वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता; और उसकी व्यवस्था पर रात दिन ध्यान करता रहता है। वह उस वृक्ष के समान है, जो बहती नालियों के किनारे लगाया गया है। और अपनी ऋतु में फलता है, और जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं। इसलिये जो कुछ वह पुरूष करे वह सफल होता है।।

सीढ़ियों को घूरते रहने की बजाय हमें सीढ़ियों पर चढ़ना चाहिए

कभी कभी सामने पड़ा हुआ कार्य असम्भव प्रतीत होता है। मैं कल्पना कर सकता हूँ कि जब दाऊद उस दानव गोलियत के सामने खड़ा था तो उसके मन में भी ऐसे ही विचार आए होंगे। नूह ने ऐसा ही महसूस किया होगा जब परमेष्वर ने उसे इतना बड़ा जहाज बनाने के लिए कहा जिसे पूरा बनने में 100 वर्ष से भी अधिक समय लगने वाला था। यूसुफ को अपने स्वप्न के पूरा होने के लिए 25 वर्ष तक प्रतीक्षा करनी पड़ी।

हम अपने जीवन पर हावी होने वाले शत्रुओं को कैसे हराएं? आप कर्ज पर कैसे विजयी होते हैं, टूट रहे वैवाहिक जीवन को कैसे सम्भालते हैं या नषाखोरी के साथ युद्ध को कैसे जीतते हैं? बहुत सरल है। सीढ़ियों को घूरते रहने की बजाय हमें सीढ़ियों पर चढ़ना चाहिए ... एक बार में एक सीढ़ी। फिर परमेष्वर से कहें कि मुझे अगली सीढ़ी दे, तब वहीं खड़े न रहें ... आगे बढ़ें!

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि मैं एक जयवंत हूँ। मैं एक एक सीढ़ी करके अपने जीवन के दानवों को हरा दूंगा। आपने मुझे जीतने और शासन करने के लिए बुलाया है। मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि मैं प्रभु यीषु मसीह के द्वारा जीवन में अधिकार रखता और शासन करता हूँ। आज मैं अगली सीढ़ी पर चढ़ूंगा।

आज के लिए वचन

भजन 37:23 मनुष्य की गति यहोवा की ओर से दृढ़ होती है, और उसके चलन से वह प्रसन्न रहता है;

भजन 37:31 उसके परमेश्वर की व्यवस्था उसके हृदय में बनी रहती है, उसके पैर नहीं फिसलते।।

edit copy

1 पतरस 2:21 और तुम इसी के लिये बुलाए भी गए हो क्योंकि मसीह भी तुम्हारे लिये दुख उठाकर, तुम्हें एक आदर्श दे गया है, कि तुम भी उसके चिन्ह पर चलो।

जब कोई व्यक्ति इस बात की परवाह नहीं करता कि श्रेय किसको मिलता है तो भलाई करने की उसकी सारी सीमाएं समाप्त हो जाती हैं

जब भी कोई व्यक्ति कुछ करने का चयन करता है तो उस चयन के पीछे कई प्रेरणाएं होती हैं। दुर्भाग्यवष ऐसा बहुत कम होता है कि कोई व्यक्ति अपना समय, अपना हुनर, या अपने संसाधन खर्च करके किसी दूसरे के लाभ के लिए कुछ करे और बदले में उसका श्रेय भी न ले। बहुत बार इसके कारण भलाई की सीमाएं सीमित हो जाती हैं क्योंकि अंत में श्रेय देने के लिए केवल एक ही व्यक्ति के नाम की जगह बचती है।

जब कोई व्यक्ति इस बात की परवाह नहीं करता कि श्रेय किसको मिलता है तो भलाई करने की उसकी सारी सीमाएं समाप्त हो जाती हैं। अपने बारे में सोचें कि किसी दूसरे की सहायता करने के उद्देष्य से अपने संसाधन खर्च करने, अपना समय देने या अपने हुनर का उपयोग करने के लिए किस बात ने आपको प्रेरणा दी। क्या आप सचमुच किसी ऐसे काम के प्रयास में लगे हुए हैं जिसमें से आप कोई श्रेय नहीं लेना चाहते? यदि नहीं, तो क्यों नहीं?

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय परमेष्वर, मैं ऐसा व्यक्ति नहीं बनना चाहता जो व्यक्तिगत लाभ के स्वार्थ से प्रेरणा प्राप्त करता है या बदले में कुछ चाहता है। मुझे बताएं कि आप मुझे किस काम में शामिल करना चाहते हैं और मैं किसी भी प्रतिफल की अपेक्षा किए बिना आपका आज्ञापालन करूँगा।

आज के लिए वचन

मत्ती 6:1–5 सावधान रहो! तुम मनुष्यों को दिखाने के लिये अपने धर्म के काम न करो, नहीं तो अपने स्वर्गीय पिता से कुछ भी फल न पाओगे। इसलिये जब तू दान करे, तो अपने आगे तुरही न बजवा, जैसा कपटी, सभाओं और गलियों में करते हैं, ताकि लोग उन की बड़ाई करें, मैं तुम से सच कहता हूं, कि वे अपना फल पा चुके। परन्तु जब तू दान करे, तो जो तेरा दहिना हाथ करता है, उसे तेरा बांया हाथ न जानने पाए। ताकि तेरा दान गुप्त रहे; और तब तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे प्रतिफल देगा।। और जब तू प्रार्थना करे, तो कपटियों के समान न हो क्योंकि लोगों को दिखाने के लिये सभाओं में और सड़कों के मोड़ों पर खड़े होकर प्रार्थना करना उन को अच्छा लगता है; मैं तुम से सच कहता हूं, कि वे अपना प्रतिफल पा चुके।

बैल और गधे को एकसाथ जुए में जोतकर हल न चलाएं

बाइबल नौजवान सेवकों और उनके द्वारा परमेष्वर के कार्य के लिए अर्पित की जाने वाली सेवाओं और वस्तुओं की तुलना बैलों से करती है। ये पषु निर्भरता, बल और दृढ़ता का प्रतीक हैं। ये अक्सर एक ही काम को बार बार करने के आदी होते हैं, ये काम बिना षिकायत के करते हैं और आदत और दिनचर्या वाले प्राणी होते हैं। दूसरी ओर गधे स्वभाव से ही जंगली होते हैं और उन्हें अनुषासित करने में भी कोई सफलता नहीं मिलती। उनकी सांस जहरीली

होती है और उनके काटने से संक्रमण फैलता है। एक टीम के रूप में काम करने की बजाय, या तो वे अपने साथी को धकेलते रहते हैं, या अपने मालिक के सामने अड़ जाते हैं और कहना नहीं मानते।

ज्यादा समय तक एक साथ जुए में जुते रहने से, गधे बैल को घायल कर देगा और अंत में उसकी काम करने की क्षमता तथा इच्छा को नष्ट कर देगा। शायद हमें भी सावधान रहना चाहिए कि हम सेवकाई में किसके साथ जुए में जुत रहे हैं। "बैल और गधा दोनों संग जोतकर हल न चलाना।"

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, जब मुझे दूसरों के साथ काम करने के लिए बुलाया जाता है या मैं किसी दूसरे को कोई काम सौंपता हूँ, तो उस समय मुझे बुद्धि दें। मेरी सहायता करें कि मैं किसी एक की सहायता करने के लिए किसी दूसरे को हानि न पहुंचाऊँ, यीषु के नाम में, आमीन।

आज के लिए वचन

व्यवस्थाविरण 22:10 बैल और गदहा दोनों संग जोतकर हल न चलाना।

नीतिवचन 14:4 जहां बैल नहीं, वहां गौशाला निर्मल तो रहती है, परन्तु बैल के बल से अनाज की बढ़ती होती है।

अय्युब 39:5 किस ने बनैले गदहे को स्वाधीन करके छोड़ दिया है? किस ने उसके बन्धन खोले हैं?

edit copy